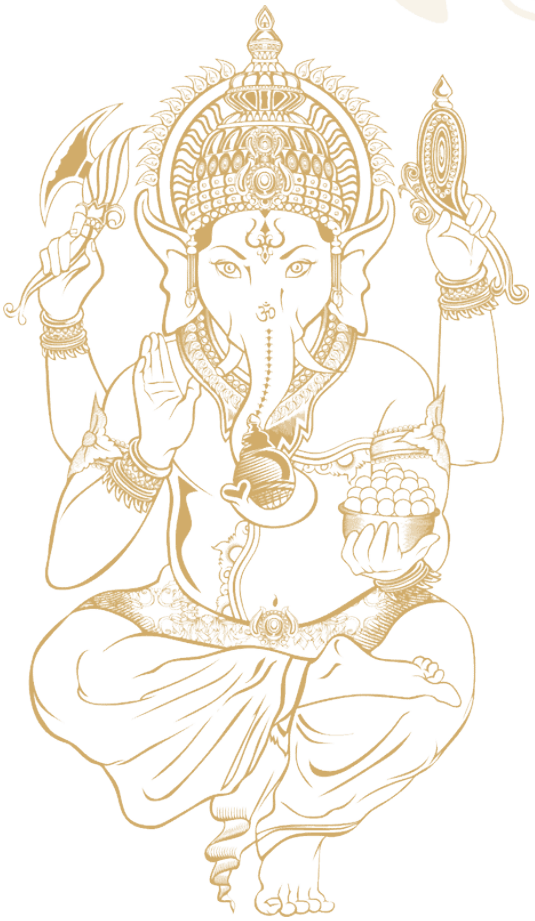

Mr.

25 Sep 2025

12:33 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119555502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/09/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:33:00 घंटे**
इष्ट	15:54:41 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:11:52 घंटे
वेलान्तर	00:08:19 घंटे
साम्पातिक काल	12:29:18 घंटे
सूर्योदय	06:11:07 घंटे
सूर्यास्त	18:13:58 घंटे
दिनमान	12:02:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	08:15:40 कन्या
लग्न के अंश	00:00:19 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वैधृति
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:00:19	323:23:50	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
सूर्य			कन्या	08:15:40	00:58:48	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	सम राशि
चंद्र			तुला	16:44:13	11:53:09	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	07:46:44	00:40:30	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
बुध		अ	कन्या	17:40:15	01:40:24	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु			मिथु	27:30:43	00:08:06	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	12:50:26	01:13:35	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	03:58:39	00:04:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:04:15	00:02:28	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:04:15	00:02:28	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	07:05:40	00:00:57	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	06:29:29	00:01:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:13:56	00:00:31	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कन्या	13:45:27	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:03

लग्न-चलित

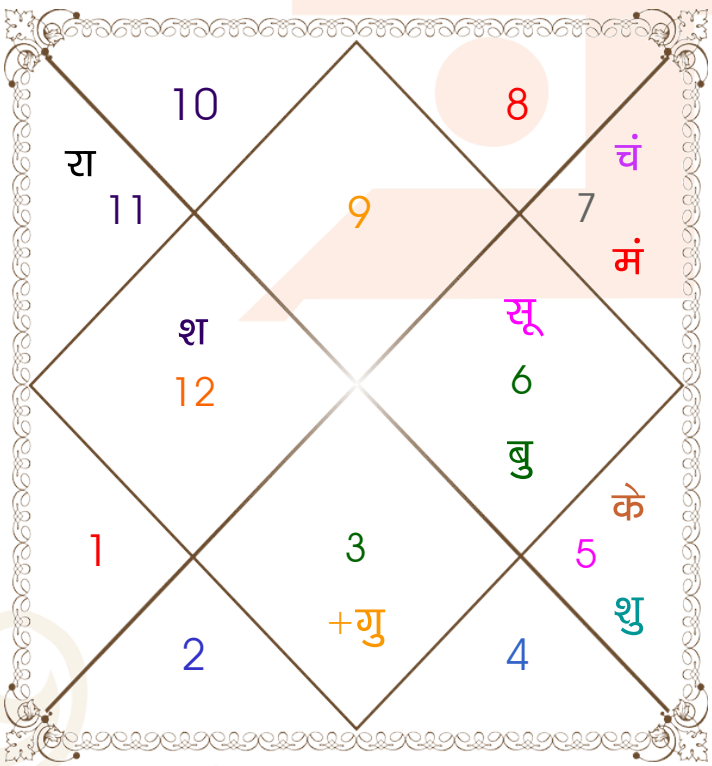

चन्द्र कुंडली

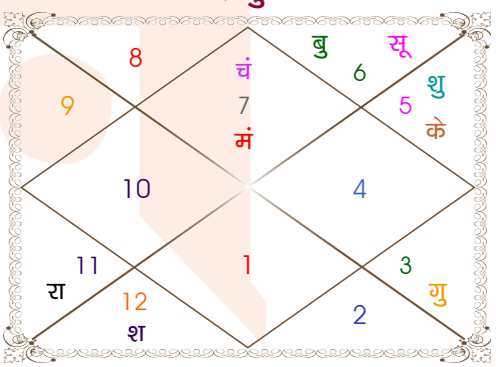

नवमांश कुंडली

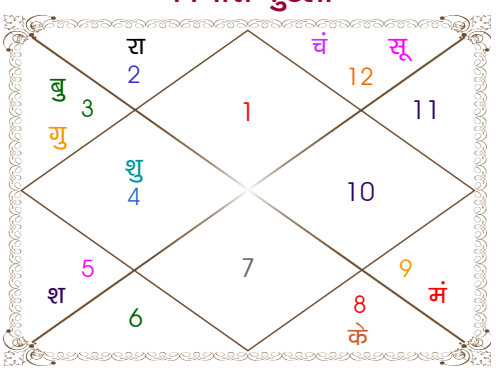

आचार्य धनंजय
9971489030

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 4 वर्ष 4 मास 26 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/09/2025		20/02/2030		20/02/2046		20/02/2065		20/02/2082	
20/02/2030		20/02/2046		20/02/2065		20/02/2082		20/02/2089	
	00/00/0000	गुरु	09/04/2032	शनि	23/02/2049	बुध	19/07/2067	केतु	19/07/2082
	00/00/0000	शनि	21/10/2034	बुध	03/11/2051	केतु	16/07/2068	शुक्र	18/09/2083
	00/00/0000	बुध	26/01/2037	केतु	12/12/2052	शुक्र	16/05/2071	सूर्य	24/01/2084
	00/00/0000	केतु	02/01/2038	शुक्र	11/02/2056	सूर्य	22/03/2072	चंद्र	24/08/2084
	25/09/2025	शुक्र	02/09/2040	सूर्य	23/01/2057	चंद्र	21/08/2073	मंगल	20/01/2085
शुक्र	09/09/2026	सूर्य	21/06/2041	चंद्र	25/08/2058	मंगल	19/08/2074	राहु	08/02/2086
सूर्य	04/08/2027	चंद्र	21/10/2042	मंगल	03/10/2059	राहु	07/03/2077	गुरु	15/01/2087
चंद्र	01/02/2029	मंगल	27/09/2043	राहु	09/08/2062	गुरु	13/06/2079	शनि	24/02/2088
मंगल	20/02/2030	राहु	20/02/2046	गुरु	20/02/2065	शनि	20/02/2082	बुध	20/02/2089

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/02/2089		21/02/2109		21/02/2115		21/02/2125		21/02/2132	
21/02/2109		21/02/2115		21/02/2125		21/02/2132		00/00/0000	
शुक्र	21/06/2092	सूर्य	10/06/2109	चंद्र	23/12/2115	मंगल	20/07/2125	राहु	04/11/2134
सूर्य	21/06/2093	चंद्र	10/12/2109	मंगल	23/07/2116	राहु	07/08/2126	गुरु	29/03/2137
चंद्र	20/02/2095	मंगल	17/04/2110	राहु	22/01/2118	गुरु	14/07/2127	शनि	03/02/2140
मंगल	21/04/2096	राहु	11/03/2111	गुरु	24/05/2119	शनि	22/08/2128	बुध	23/08/2142
राहु	22/04/2099	गुरु	29/12/2111	शनि	22/12/2120	बुध	19/08/2129	केतु	10/09/2143
गुरु	22/12/2101	शनि	10/12/2112	बुध	23/05/2122	केतु	15/01/2130	शुक्र	26/09/2145
शनि	21/02/2105	बुध	16/10/2113	केतु	22/12/2122	शुक्र	18/03/2131		00/00/0000
बुध	23/12/2107	केतु	21/02/2114	शुक्र	22/08/2124	सूर्य	23/07/2131		00/00/0000
केतु	21/02/2109	शुक्र	21/02/2115	सूर्य	21/02/2125	चंद्र	21/02/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 4 वर्ष 5 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।